industries. At a conference held about 2 weeks ago at Bangalore of the All India Cement Manufacturers' Association where we had the opportunity of participating, we took them to task because the Association felt that the emission from cement industry is not injurious to health but we feel that it is injurious and we are going to take stern action.

As far as the hon. Member's observation about the fallout of the suspended ash matter on the soil of the Adivasi areas probably he is referring to Sirehi District—I have personally gone there to examine it and we are taking action through the Rajasthan State Pollution Control Board.

श्रीमती प्रमिला दण्डवते : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहती हूं कि महाराष्ट्र मे चाबना ड्रिंकिंग वाटर सप्लाई स्कीम के वारे में मैंने एक पत्र लिखा था कि उसमें पब्लिक अंडरटेकिंग्स हिन्दुस्तान आर्गेनिक कैमिकल्स और हिन्दुस्तान इनसेक्टीसाइड्स लिमिटेड अपना गंदा पानी भेज रहे हैं। उसका जबाब दिया गया कि उनके ऊपर केस चलाया है। मैं जानना चाहता हूं कि केस के बाद दोनों कारखानों ने क्या कोई इस तरह की कार्यवाही की है जिससे गाँव के लोगों को शुद्ध पानी मिल सके ?

SHRI M. SATYANARAYANA RAO : Notice is required.

Sir, Maharashtra State Pollution Control Board, by and large, is an active Borad and we are trying to make them as active as possible.

स्पैसिफिक बात जो आपने पूछी उसके लिए मुझे नोटिस चाहिए।

श्री रामलाल राही : हिन्दुस्तान कितना हिन्दी से प्रेम कर रहा है, लेकिन सरकार अंग्रेजी थोपने पर उतारू है।

Third Antarctica Exfedition

*417. SHRIMATI SANYOGITA RANE†

DR. PRATAP WAGH : Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether the third Antarctica expedition proposes to set up first manned station to conduct experiments during the expedition ; and

(b) the composition of the team of scientiss and the estimated cost of the project ?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, ATOMIC ENERGY OF SPACE, ELECTRONIC AND OCEON DEVELOPMENT (SHRI SHIVRAJ V. PATIL) : (a) Yes Sir,

(a) There are sixteen scientists in the team as per the list placed on the table of the House, The estimated cost of the project is likely to be arovnd Rs. 5 croses.

Statement

S. No.	Name
1,	Dr. H. K. Gupta
2.	Dr. (Msss) Aditi Pant
3.	Dr. (Miss) Sudipta Sen Gupta
4.	Dr. K. J. Mathew
5.	Dr. Madan Lal
6.	Dr. A. K. Bakhshi
7.	Dr. L. S. Rathore
8.	Dr. Ashutosh Singh
9.	Dr. A. K. Hanjura
10.	Dr. S.W.A. Naqwi
11.	Shri M. R. Nayak
12.	Shri M. Manoharan
13.	Shri R. K. Singh
14.	Shri S. S. Sharma
15.	Dr. S.R.H. Rizvi
16.	Shri S.G.P. Matondkar

श्रीमती संयोगिता राणे : अध्यक्ष जी, सबसे पहले मैं माननीय प्रधान मन्त्री जी को बधाई देती हूं कि उन्होंने इस तीसरे अन्टार्कटीका अभियान में दो महिला वैज्ञानिकों को भी शामिल किया है जिससे महिला वर्ग की हमारे देश और विदेशों में महिमा बढ़ गई है। अब यह सिद्ध हो गया है कि भारतीय महिलाएं वैज्ञानिक प्रतिभा और साहस में किसी भी देश से कम नहीं है। मैं यह जानना चाहती हूं कि मानव संचालित पहले केन्द्र में जो प्रयोग किए जाएंगे, उनका संक्षिप्त ब्यौरा क्या है ? उनका हमारे देश में किन-किन क्षेत्रों में उपयोग किया जाएगा ? जो लोग इस स्टेशन पर रहेंगे, वे किन बातों का अध्ययन करेंगे ?

श्री शिवराज वी० पाटिल : यह जो एक्सपीडिशन गया है, वहां पर जाकर पहले जो हमारा परमानेन्ट स्टेशन बनने वाला है, उस जगह का परीक्षण करेगा, कि वह जगह उनके लिए मौजूद है या नहीं। वहां के वातावरण के बारे में स्टडी करेगा कि उनका क्या परिणाम होता है, वहां पर जो जमीन और बर्फ है, उसका अध्ययन करेगा। जियोलाजिकल और जियो-फिजीकल के बारे में भी स्टडी करेगा। वहां पर जो जीव-जन्तु पाए जाते हैं, उनका भी अध्ययन करेगा। रास्ते में समुद्र है, उसमें से भी जीव-जन्तु एकत्र किए जाएंगे। उसी प्रकार से वहां की कैमिस्ट्री, फिजीकल, कैमिकल, बायोलाजिकल और रसायन तथा वस्तुशास्त्र की दृष्टि से भी अभ्यास करेगा। अन्य बहुत सारी ऐसी चीजें हैं जिनका अभ्यास किया जाएगा। उस अभ्यास का उपयोग हम लोगों को यहां पर बहुत बड़े पैमाने पर हो सकता है।

श्रीमती संयोगिता राणे : क्या इन प्रयोगों में किसी प्रकार की विदेशी टैक्नोलाजी अथवा विशेषज्ञों की सहायता ली जा रही है। सम्पूर्ण कार्यक्रम पूरे तौर पर भारतीय है ? समाचार पत्रों में यह छपा है कि आधुनिक यंत्र में पूर्ण फिललैण्ड का एक आयस-ब्रेकर भी इस काम में सहयोग दे रहा है। मैं यह जानना चाहती हूं कि इस सहयोग का क्षेत्र और परिधी क्या है ? क्या यह विदेशी सहयोग इस क्षेत्र में विभिन्न प्रयोगों में भी भाग लेगा ?

श्री शिवराज वी० पाटिल : यह जो हमारा एक्सपीडिशन गया है, उसकी सारी कल्पना भारतीय वैज्ञानिकों और नियोजनकर्ताओं की है उन्होंने उस कल्पना को साकार करने के लिए हमारे देश में जो तंत्र हैं, उनका उपयोग किया है। जो चीजें हमारे पास नहीं है, वह हमने बाहर से ली हैं। हमारे देश में ऐसा कोई जहाज नहीं है जो हम वहां ले जा सकें। इसलिए, हमने बाहर से जहाज लिया है परमानेन्ट स्टेशन बनाने के लिए जो घर बनाना है, वह भी हमारे यहां के लोगों ने बनाया है। उसको वहां पर ले जाकर रख दिया जायेगा। यह देखा जाएगा कि उन हालात में वह अच्छी तरह से रह सकता है या नहीं। तब दूसरी दफा उसका उपयोग किया जायेगा। हमारे वैज्ञानिक जो वहां जा रहे हैं उसका रक्षण पूरी तरह से होना चाहिए और उनके लिए हमने बाहर से भी कुछ घर लिए हैं जो वहां पर लगाए जायेंगे। बहुत सारा तंत्र और विज्ञान जो भारत में उपलब्ध हैं उसका उपयोग हम कर रहे हैं और जो चीजें वहां नहीं हैं वे हमने बाहर से लेने की कोशिश की है।

DR. PRATAP WAGH : I would like to know from the hon. Minister the amount spent on the last expedition and have we made use of earlier expeditions' experiences and how far it is going to help us in our scientific advancement ?

SHRI SHIVRAJ V. PATIL : Sir, I have already said that Rs. 1.95 crores were spent on the last expedition. We have collected lot of statistics and data and the same has been given to about 20 national laboratories and other laboratories in our country. They are examining the data and they are trying to arrive at certain conclusions. The

information which we have received here is certainly going to be helpful to us in many many fields and in many many areas.

Juvenile Prisoners in Jails

*418. SHRI CHHITTUBHAI GAMTT : Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) the number of juvenile prisoners in the jails of various States of the country ;

(b) the nature of work taken from juvenile prisoners in the jails and what type of education they are imparted with a view to reform them ;

(c) whether same type of work is taken in jails from juvenile prisoners of both sexes-boys and girls ; and

(d) if not, the details of arrangements made for them ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI NIHAR RANJAN LASKAR) : (a) The juvenile prisoners are sent to jails only in areas where the Children Acts not in force or separate institutions for their care, treatment and rehabilitation are not available or are inadequate. The numder of child prisoners below the age of sixteen Years in the jails of various States and U.Ts of the country as on 31.12. 1982 was 1382.

(b) to (d) prison Administration is a State subject. Therefore in jails, jnvenile prisoners are treated in accordance with the provisions of the respective State Jail Manuals. The rules governing the work to be given to children in jails and facilities for their education and training also vary from State to State. Generally, punitive and repressive work is not given to them. Educoational facilities upto the primary level are provided and vocational training is also given to them in some places where such facilities exist.

श्री छीतूभाई गामित : मंत्री महोदय ने अपने जवाब में बताया है कि बाल कैदियों की संख्या 1392 है । मैं जानना चाहता हूं कि ये बाल कैदी किन किन वर्गों से आते हैं और किस किस प्रकार के अपराध उन्होंने किए हैं या उनको करने पड़े हैं ? क्या इसका ब्यौरा मंत्री महोदय देंगे ?

गृह मन्त्री (श्री प्रकाश चन्द्र सेठी) : बाल कैदियों की संख्या 1392 है जो जवाब में बता दी गई है । ये किन किन वर्गों से आते हैं इस प्रकार के कोई स्टेटिसटिक्स नहीं रखे जाते हैं । उनके साथ जेल में उचित व्यवहार किया जाए इसके लिए चिल्डरंज एक्ट 1960 है जो बाद में एमैंट हुआ है और उसके मुताबिक उनके साथ व्यवहार किया जाता है ।

श्री छीतूभाई गामित : बाल अपराधियों के बारे में भारत सरकार सारे देश के लिए क्या कोई राष्ट्रीय नीति तय करने का विचार रखती है और अगर हां तो वह क्या है और कब तक वह बन जाएगी ?

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : प्रिजन एडमिनिस्ट्रेशन के बारे में सुधार करने के सम्बन्ध में एक कमेटी बनाई गई थी जो मुल्ला कमेटी के नाम से जानी जाती है । उनकी रिपोर्ट मिल गई है और उस पर विचार किया जा रहा है । उनकी कई सिफारिशों पर अमल भी किया जा रहा है । उदाहरण के लिए दिल्ली में तिहाड़ जेल इस समय बहुत क्राउडिड है और उन्होंने कहा था कि इसको तीन हिस्सों में बांटा जाए । उसको तीन हिस्सों में बांटने का प्रयत्न किया जा रहा है और जो जुवेनाइल प्रिजनर्ज, दिल्ली जेल में थे उनको सैग्रिगेट करके दूसरी जगह रखा गया है ।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

कोकिंग कोल का आयात

*408. **श्री नरसिंह मकवाना** : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :